



QIM की 82वीं वर्षगांठ

प्रलिम्स के लिये:

[अगस्त क्रांति दिवस](#), [भारत छोड़ो आंदोलन \(QIM\)](#), [मतिर राष्ट्र](#), [करपिस मशिन \(1942\)](#), [भारत छोड़ो प्रस्ताव](#), [नेशनल हेराल्ड](#), [वायसराय लनिलिथिगो](#), [AITUC](#), [CSP](#), [AIKS](#), [फॉरवरड ब्लॉक](#), [सत्याग्रह](#), [सवनिय अवज्जा आंदोलन](#), [शमिला सम्मेलन](#)।

मेन्स के लिये:

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भारत छोड़ो आंदोलन की भूमिका एवं महत्त्व।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

[अगस्त क्रांति दिवस](#) भारत में प्रतिवर्ष 8 अगस्त को मनाया जाता है। वर्ष 2024 में, [भारत छोड़ो आंदोलन \(QIM\)](#) की 82वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

- यह महात्मा गांधी के नेतृत्व में वर्ष 1942 में QIM के ऐतिहासिक शुभारंभ का स्मरण कराता है।

QIM क्या था?

- परिचय:** यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिये भारत के संघर्ष में एक महत्त्वपूर्ण क्षण था, जिसमें भारत से ब्रिटिश सेना की तत्काल वापसी का आह्वान किया गया था।
 - इसका उद्देश्य ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध [अहसिक सवनिय अवज्जा अभियान](#) में भारतीयों को संगठित करना था।
 - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इसने [ब्रिटिश जनता](#) का [सहानुभूतिपूर्ण समर्थन](#) और [द्वितीय विश्व युद्ध](#) के दौरान [मतिर राष्ट्रों](#) की शक्तियों से दबाव आकर्षित किया।
- QIM प्रारंभ करने के कारण:**
 - करपिस मशिन की विफलता (वर्ष 1942):** [करपिस मशिन](#) ने संवैधानिक प्रगत पर ब्रिटिश के अपरिवर्तित रवैये को उजागर किया और यह स्पष्ट कर दिया कि अब और चुप्पी ब्रिटिशों के परामर्श के बिना भारतीयों के भाग्य का निर्णय करने के अधिकार को स्वीकार करने के समान होगी।
 - इसने पूर्ण स्वराज के बजाय [प्रभुत्व का दर्जा](#) देने की पेशकश की। इसने प्रान्तों को [पृथक् होने का अधिकार](#) प्रदान किया जो [राष्ट्रीय एकता के सिद्धांत के विरुद्ध](#) था।
 - द्वितीय विश्व युद्ध का आर्थिक प्रभाव:** [बढ़ती कीमतों](#) और [चावल, नमक](#) आदिकी कमी के कारण लोगों में असंतोष था। जहाँ खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों ने [गरीबों को प्रभावित](#) किया, वहीं [अमीरों को अत्यधिक लाभ](#) कर से [नुकसान](#) हुआ। यह घोर कुप्रबंधन तथा उद्देश्यपूर्ण मुनाफाखोरी के कारण और भी बढ़ गया।
 - दक्षिण-पूर्व एशिया से ब्रिटिशों का जल्दबाजी में नष्कासन:** [जापानी आक्रमण](#) के बाद मलाया और बर्मा से लौटने वाले शरणार्थियों ने [दक्षिण-पूर्व एशिया](#) में ब्रिटिश सत्ता के पतन एवं ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा भारतीय शरणार्थियों को छोड़ देने की सूचना दी।
 - इससे यह भय उत्पन्न हो गया कि यदि जापान ने आक्रमण किया तो ब्रिटिश इसी प्रकार भारत को छोड़ सकता है।
 - ब्रिटिश पतन की आशंका:** मतिर राष्ट्रों की हार और दक्षिण-पूर्व एशिया एवं बर्मा से ब्रिटिशों की वापसी की खबरों ने भारत में लोगों को यह विश्वास दिलाया कि [ब्रिटिश सत्ता जल्द ही समाप्त होने वाली](#) है।
 - जापानी आक्रमण की आशंका:** नेताओं ने महसूस किया कि संघर्ष शुरू करना आवश्यक है क्योंकि उनका मानना था [कलिंगों का मनोबल](#) गरि रहा है और यदि जापान ने आक्रमण किया तो वे शायद [विरोध](#) न करें।
- भारत छोड़ो संकल्प:**
 - कॉंग्रेस कार्यसमिति ने [14 जुलाई 1942 को](#) वर्धा में ['भारत छोड़ो' संकल्प](#) को अपनाया।
 - [अखिल भारतीय कॉंग्रेस समिति \(AICC\)](#) ने [8 अगस्त 1942 को](#) [बॉम्बे के गोवालिया टैंक](#) में कुछ संशोधनों के साथ इस संकल्प को स्वीकार कर लिया और [गांधीजी](#) को संघर्ष का नेता नामित किया गया।
 - बैठक में ये संकल्प भी लिये गए:
 - भारत में [ब्रिटिश शासन को तत्काल समाप्त करने की मांग](#)।
 - स्वतंत्र भारत की [सभी प्रकार के फासीवाद और साम्राज्यवाद के विरुद्ध स्वयं की रक्षा](#) करने की प्रतिबद्धता।

- जनता के इन पछिले अनुभवों ने QIM को समृद्ध किया।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लामबंदी: पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में वर्ष 1942 में सर्वाधिक तीव्र गतिविधि वाले क्षेत्र वही थे जहाँ वर्ष 1937 के बाद से काफी लामबंदी और संगठनात्मक कार्य किया गया था।

QIM के सबक और महत्त्व क्या थे?

■ QIM से सबक:

- भारतीय जनता के लिये: 1942 में भारतीय जनता हेतु गांधीजी और कॉंग्रेस मुक्तिके प्रतीक थे, वैचारिक बाधा के स्रोत नहीं।
- कॉंग्रेस के लिये: सरकार द्वारा QIM के दमन से कॉंग्रेस के भीतर वामपंथी (फॉरवर्ड ब्लॉक के अनुयायियों की तरह) अपमानित हुए, जो सरकार के खिलाफ हसिक कार्रवाई की मांग कर रहे थे।
 - कॉंग्रेस, जिसमें अधिकांशतः उदारवादी और दक्षिणपंथी शामिल थे, लोकप्रिय उग्रवाद के सख्त खिलाफ थी तथा कानून एवं व्यवस्था की बहाली एवं संघर्ष का कूटनीतिक समाधान चाहती थी।
- अंग्रेजों के लिये: उन्हें एहसास हुआ कि युद्धकालीन आपातकालीन शक्तियों के बिना उग्रवादी जन आंदोलनों को प्रबंधित करना मुश्किल था।
 - युद्ध के बाद, बल द्वारा नियंत्रण बनाए रखना महंगा होगा, जिससे बातचीत और व्यवस्थित वापसी स्वीकार करने की इच्छा बढ़ेगी।

■ QIM का महत्त्व:

- इसने स्वतंत्रता की मांग को राष्ट्रीय आंदोलन के तत्काल एजेंडे में रखा। भारत छोड़ो आंदोलन के बाद पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं था।
- कॉंग्रेस की गतिविधियों का मुख्य ध्येय रचनात्मक कार्य बन गया, जिसमें कॉंग्रेस तंत्र के पुनर्गठन पर विशेष ज़ोर दिया गया।
- कॉंग्रेस नेताओं को जून 1945 में शिमला सम्मेलन में भाग लेने के लिये रखा कर दिया गया। इसने अगस्त 1942 से चले आ रहे टकराव के दौर का अंत कर दिया।

नष्कर्ष

भारत छोड़ो आंदोलन (QIM) ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ दिखाया। ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा दमन के बावजूद, इस आंदोलन ने व्यापक जन समर्थन प्राप्त किया, जिसके कारण बड़े पैमाने पर वरिध प्रदर्शन हुए और समानांतर सरकारें बनीं। QIM ने स्वतंत्रता की मांग को तीव्र किया, जिससे अंततः भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का अंत हुआ।

???????? ???? ???? ???? :

Q. भारत छोड़ो आंदोलन (QIM) ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को कैसे उस बटु तक पहुँचा दिया जहाँ से वापसी संभव नहीं थी, जिससे पूर्ण स्वतंत्रता अपरहार्य हो गई?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

???????????????? :

प्रश्न. भारतीय इतिहास में 8 अगस्त, 1942 के संदर्भ में नमिनलखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

- भारत छोड़ो प्रस्ताव AICC द्वारा अपनाया गया था।
- अधिकारियों को शामिल करने के लिये वायसराय की कार्यकारी परिषद का विस्तार किया गया।
- सात प्रांतों में कॉंग्रेस के मंत्रिमंडलों ने इस्तीफा दे दिया।
- द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद क्रिप्स ने पूर्ण डोमिनियन स्थितिके साथ एक भारतीय संघ का प्रस्ताव रखा।

उत्तर: (a)

प्रश्न. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में नमिनलखित घटनाओं पर विचार कीजिये: (2017)

- रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह
- भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

(a) 1 - 2 - 3

- (b) 2 - 1 - 3
(c) 3 - 2 - 1
(d) 3 - 1 - 2

उत्तर : (c)

प्रश्न . भारत छोड़ो आंदोलन किसके जवाब में शुरू किया गया था? (2013)

- (a) कैबिनेट मशिन योजना
(b) क्रिप्स प्रस्ताव
(c) साइमन आयोग की रिपोर्ट
(d) वेवेल योजना

उत्तर: (b)

प्रश्न . भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में, उषा मेहता को इन कारणों से जाना जाता है: (2011)

- (a) भारत छोड़ो आंदोलन के मद्देनजर गुप्त कॉंग्रेस रेडियो चलाना
(b) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना
(c) भारतीय राष्ट्रीय सेना की एक टुकड़ी का नेतृत्व करना
(d) पंडित जवाहरलाल नेहरू के तहत अंतरिम सरकार के गठन में सहायता करना

उत्तर: (a)

प्रश्न . वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा अवलोकन सही नहीं है? (2011)

- (a) यह एक अहसिक आंदोलन था
(b) इसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था
(c) यह एक स्वतःस्फूर्त आंदोलन था
(d) इसने सामान्य रूप से श्रमिक वर्ग को आकर्षित नहीं किया

उत्तर: (b)

प्रश्न . स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, अरुणा असफ अली भूमिगत गतिविधियों की एक प्रमुख महिला आयोजक थीं: (2009)

- (a) सवनीय अवज्ञा आंदोलन
(b) असहयोग आंदोलन
(c) भारत छोड़ो आंदोलन
(d) स्वदेशी आंदोलन

उत्तर: (c)

प्रश्न . निम्नलिखित में से किस आंदोलन से "करो या मरो" का नारा जुड़ा है? (2009)

- (a) स्वदेशी आंदोलन
(b) असहयोग आंदोलन
(c) सवनीय अवज्ञा आंदोलन
(d) भारत छोड़ो आंदोलन

उत्तर: (d)

?????

प्रश्न . स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये, खासकर गांधीवादी चरण के दौरान। (2016)

प्रश्न . कनि प्रकारों से नौसैनिक विद्रोह भारत में अंग्रेजों की औपनिवेशिक महत्त्वाकांक्षाओं की शव-पेटिका में लगी अंतिम कील साबित हुआ था? (2014)

